“भ्रष्टाचार एक ऐसी दीमक के समान है जो हमारे देश की जड़ें खोखली कर रहा है। यदि भ्रष्टाचार समाप्त नहीं किया गया तो देश का विकास असम्भव है। आज के युवा अपनी भागीदारी द्वारा भ्रष्टाचार उन्मूलन में सहयोग दे सकते हैं” अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता जी के ये उद्‌गार 3 नवंबर के सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समापन समारोह में थे और इसी उद्देश्य से यह सतर्कता सप्ताह आयोजित किया गया। दिनांक 29/10/2018 से 03/11/2018 तक अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ में “सतर्कता सप्ताह” मनाया जा रहा है, जिसका विषय है – “भ्रष्टाचार मिटाओ नया भारत बनाओ”। इस सप्ताह के अंतर्गत “नारा लेखन, निबंध लेखन एवं भाषण” प्रतियोगितायें आयोजित की गई और दिनांक 03/11/2018 को अग्रवाल महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भ्रष्टाचार सम्बन्धी अपने अनुभव साझां किये और एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से “भ्रष्टाचार मिटाओ – नया भारत बनाओ” का सुन्दर संदेश दिया। साथ ही इसी विषय पर विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता में अपने विचार प्रस्तुत किये। ये समस्त कार्यक्रम “पंजाब नेशनल बैंक और इंडियन ऑयल (R/D Research Centre) के सहयोग से सम्पन्न हुये। पंजाब नेशनल बैंक के साथ अग्रवाल महाविद्यालय के हिन्दी विभाग का MOU भी सुनिश्चित हुआ है। अतः इसके अंतर्गत एक प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। जिसमें पचास विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किये गये। इस सुअवसर पर पंजाब नेशनल बैंक के श्री नरेश गर्ग जी एवं डिप्टी हेड श्री अजय कुमार शर्मा एवं इंडियन ऑयल के R&D श्री गंगा शंकर मिश्र जी उपस्थित थे। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत तख्तियों द्वारा भ्रष्टाचार मुक्त भारत के सम्बन्ध में रैली निकाली। जिसका उद्देश्य था – भ्रष्टाचार से मिलकर लड़ें और एक नए भारत का निर्माण करें। इस सप्ताह में आयोजित प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे –

नारा लेखन

प्रथम – वंदना (एम.ए. हिन्दी उतरर्राद्ध)

द्वितीय – खुशबू (बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष)

तृतीय – गरिमा

प्रोत्साहन – वर्षा (एम.ए. उतरर्राद्ध) एवं गीतिका (बी.ए. तृतीय वर्ष)

निबंध लेखन

प्रथम – मधु सिंगला (एम.ए. उतरर्राद्ध)

द्वितीय – ज्योति शर्मा (बी.एस.सी. तृतीय वर्ष)

तृतीय वर्ष – वन्दना (एम.ए. द्वितीय वर्ष)

प्रोत्साहन – कविता, गरिमा दीक्षित

ये समस्त प्रतियोगिताएँ कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती किरण आनन्द के कुशल नेतृत्व में डॉ. गीता गुप्ता, डॉ. रेखा सेन, डॉ. सुप्रिया ढ़ांडा, डॉ. रेणु माहेश्वरी और श्रीमती त्रिमेश कालरा के सहयोग से सम्पन्न हुआ ।